<u>अमृत की बरसे बदरिया</u>

अमृत की बरसे बदरिया
मेरी मां की दवरिया

दादुर मोर पपीहा बोले
कूके काली कोयलिया
मेरी मां की दवरिया

शीश मुकुट कानों में कुण्डल
अमृत की बरसे बदरिया
मेरी मां की दवरिया

बृम्हा, विष्णु , शंकर नाचे
मोहन बजाए बसुंरिया
मेरी मां की दवरिया ॥